डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 101 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 23 जनवरी 2025 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

अंग्रेजी को जनरल-स्पेसिफिक में बांटेगा एमपी बोर्ड

नौवीं कक्षा से शुरू होगी दो धारा प्रणाली, विद्यार्थियों को मिलेंगे दो विकल्प

मंदसौर, 26 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के सरकारी स्कूलों की नौवीं व 10वीं कक्षा में अगले सत्र से अंग्रेजी विषय में सामान्य और विशिष्टके दो विकल्प मिलने लगेंगे। ऐसा नई शिक्षा नीति के प्रविधान लागू करने के लिए किया जा रहा है। यह व्यवस्था अगले शिक्षा सत्र से लागू होगी।

स्कूल शिक्षा विभाग ने इस सत्र से नौवीं कक्षा में गणित विषय में सामान्य और विशिष्ट का विकल्प लागू किया था। इसके बाद अब अंग्रेजी का पाठ्यक्रम दो हिस्सों में विभाजित करने की तैयारी है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस सत्र से नौवीं कक्षा में गणित विषय में सामान्य और विशिष्टका विकल्प लागू किया था। इसके बाद अब अंग्रेजी का पाठ्यक्रम दो हिस्सों में विभाजित करने की तैयारी है।कहा गया है कि अगर कोई विद्यार्थी 11वीं में भाषा विषय में अंग्रेजी की पढाई करना चाहता है तो उसे नौवीं में ही विशिष्ट अंग्रेजी का विषय लेना होगा। नहीं तो सामान्य अंग्रेजी लेकर परीक्षा देंगे। उत्तर प्रदेश जैसे कई प्रदेशों में ऐसी व्यवस्था पहले से लागू है।इनकी वजह से अगली बोर्ड परीक्षा में पहली बार गणित के दो प्रश्नपत्र आएंगे। हालांकि विकल्प देने के बाद भी स्कूल शिक्षा विभाग दोनों प्रश्नपत्रों की पाठ्य सामग्री अलग नहीं कर पाया है। इसकी वजह से शिक्षकों में भ्रम की स्थिति है।

इनका कहना...

इस सत्र से नौवीं कक्षा में गणित में दो विकल्प दिए गए हैं। अब अगले सत्र से अंग्रेजी विषय में दो विकल्प सामान्य व विशिष्टका होगा।

प्रमोद सिंह, उपसचिव, स्कूल शिक्षा विभाग

डेढ़ माह से लापता नाबालिग गुजरात से मिली

मंदसौर, 08 जनवरी गुरु एक्सप्रसे।। डेढ माह से गायब नाबालिग को पुलिस ने दस्तयाब किया है। पीड़िता गुजरात से मिली है। पुलिस ने बताया कि फरियादी रतलाम जिले के निवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें उसने बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री के गुडभेली जिला मंदसौर से काम करने आने के दौरान 10 दिसंबर 24 की रात्री में गायब हो गई। पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया। एसपी द्वारा चौकी प्रभारी पिपलियामंडी उनि रितेश नागर के नेतृत्व मे टीम का गठन कर पतारसी हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास कर सामुदायिक पुलिसिंग व तकनीकि जानकारी के आधार अथक प्रयासो से तीन दिन मोरबी गुजरात मे रुककर अपहृत बालिका को दस्तयाब किया गया।

इस साल भी शिक्षा विभाग करता रह गया... बजट का इंतजार

सिर्फ प्रस्ताव की औपचारिकता, सरकारी स्कूलों में स्थिति जस की तस

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। इन दिनो सरकारी स्कूलों को लेब, खेल मैदान, भवन, पानी, लाईब्रेरी सहित कई व्यवस्थाओं की को प्रिंयाक है। प्रस्ताव बनाकर भेजने की औपचारिकता हर साल होती है। इस साल भी प्रस्ताव बनाकर भेजने की रस्म अदायगी की गई। हुआ भी यही, हर साल की तरह बजट का इंतजार अधूरा ही रहा। कुछ एक स्कूलों के लिए जरुर राशि जारी की गई। लेकिन, जिले के लिए यह ऊंट के मुंह में जीरा के समान थी।

279 स्कूलों को मरम्मत का इंतजार...

मंदसौर जिले के 279 प्राथमिक व माध्यमिक स्कूल ऐसे हैं जिनमें मरम्मत की आवश्यकता है। इनकी मरम्मत समय पर नहीं हो पाई तो विद्यार्थियों को व स्कूल स्टाफ को परेशानियों का सामना करना पडेगा। इन स्कूलों में 12 हजार से ज्यादा विद्यार्थी पढते हैं। इन पौने तीन सौ से ज्यादा स्कूलों में कहीं स्लैब टूट रहा है है या छत, फर्श, शौचालय की स्थिति खराब है। इसके अलावा जिले में 8 स्कूल ऐसे हैं जो पूरी तरह से जर्जर हो चुके हैं। इन्हें तोड़ा यानि डिस्मेंटल किया जाना है। हर साल की तरह इस साल भी जिला शिक्षा केंद्र ने जिले के इन स्कूलों से जानकारी संकलित कर बजट का प्रपोजल भेजा। सभी स्कूलों में करीब 5 करांड़ 36 लाख रुपए से मरम्मत होने का अनुमान लगाया गया था। लेकिन, इस साल भी राशि के अभाव में स्कूलों की मरम्मत नहीं हो पाई।

सिर्फ 18 खेल शिक्षक, आठ मैदान...

जिले भर के शासकीय स्कूलों में खेल मैदान, संसाधन और खेल शिक्षकों के बिना खेल पीरियड लगाया जा रहा है। जिले के हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों में सिर्फ 18 खेल शिक्षक और 8 मैदान हैं। शायद यही कारण है कि सरकारी स्कूलों से खेल प्रतिभाएं निकलकर बाहर नहीं आ पा रही है।

नींव में केमिकल लोचा...

भावी इंजीनियरों और डॉक्टरों की नींव कक्षा 11वीं से रखी जाती है। इस नींव को मजबूत बनाने की जिन कांधों पर जवाबदारी है, उनकी उदासीनता के कारण आधे-अधूरे ज्ञान की नींव रखी जा रही है। जिले में करीब 40 से अधिक स्कूल ऐसे है, जहां पर प्रयोगशाला अलग से नहीं है। इन स्कूलों में एक कक्ष में प्रयोग करवाए जा रहे है।

पानी के लिए जुगाड़...

जिले के प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में स्वच्छ पानी विद्यार्थियों को नहीं मिल रहा है। कुछ समय पहले जिला शिक्षा विभाग ने ही सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की थी। जिसमें पता चला था कि जिले के 76 प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में जुगाड़कर विद्यार्थियों के पानी की व्यवस्था की जा रही है। कही कुए से तो कही हेडपंप से तो कही होद से पानी पिलाया जा रहा है। जिसकी स्वच्छता की गारंटी नहीं है। अपवाद छोड़ दे तो कही भी विद्यार्थियों के पानी बर्तन में ना फिटकरी डाली जा रही है और ना ही क्लोरीन की गोलियां।

24 साल से लाइब्रेरियन की भर्ती नहीं...

एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकारी स्कूलों में लाईब्रेरी के लिए भी पीरियड लगाने का प्रावधान है। लेकिन, जिले के कई स्कूलों में लाईब्रेरी नहीं है। स्कूलों में करीब 24 साल से लाइब्रेरियन की भर्ती ही नहीं हुई है। वहीं, प्रदेश के करीब 11 हजार स्कूलों में लाइब्रेरी नहीं है। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में सभी वर्ग के लिए 1982 में लाइब्रेरियन की भर्ती हुई थी। अभी तक स्कूल शिक्षा विभाग ने पुस्तकालय अधिनियम भी लागू नहीं किया, जबकि प्रारूप तैयार है।

बिजली नहीं कैमरे कहां से लगवाएं...

सरकारी स्कूलों में सुरक्षा को लेकर कैमरे लगवाने के लिए योजना बनी थी। लेकिन, अधिकांश प्रावि और मावि में बिजली कनेक्शन ही नहीं है। कैमरे तो दूर की बात है। यहां बिजली के लिए बजट का प्रावधान नहीं है। स्टॉफ से लेकर विद्यार्थी गर्मी में परेशान होते है तो विद्यार्थी अंधेरे में पढ़ने को मजबूर है।

इनका कहना...

हमने इस साल भी प्रस्ताव बनाकर भेजा था। हालांकि कुछ ही स्कूलों के लिए राशि जारी हुई है।

लोकेंद्र डावी, जिला शिक्षा अधिकारी मंदसौर

पुलिस की जमीन पर भी कब्जा..!

पुलिस विभाग की जमीन पर बना रहे थे एप्रोच रोड, कप्तान ने लिया संज्ञान, रुक गया काम

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले में नगर पालिका और राजस्व विभाग के कुछ कारिंदों की कॉलोनाइजरों और भू माफियाओं से जुगलबंदी है। यहीं कारण है कि अतिक्रमण हो या अवैध रूप से काटी गई कॉलोनी या कॉलोनाइजरों पर एफआईआर का निर्देश, सभी मामलों में भू माफियाओं को अभयदान मिल जाता है। यहीं करण है कि अब भू माफिया पुलिस विभाग की जमीन को निगलने से बाज नहीं आ रहे। हालांकि इस बार पुलिस कप्तान ने मामले में संज्ञान लेकर काम रुकवा दिया।

भू माफियाओं के हौसले इन दिनो सातवें आसमान पर पहुंच गए है। कहीं न कहीं नपा और राजस्व के कुछ अधिकारियों का अभयदान भू माफियाओं को लगातार सक्रिय बना रहा है। अब स्थिति यह हो गई है कि पुलिस वालों को भी भू माफिया नहीं छोड़ रहे। मामला पुलिस विभाग को आवंटित जमीन का है। जहां एप्रोच रोड बनाई जा रही थी। हालांकि पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद ने मामले में संज्ञान लेकर राजस्व विभाग के अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद यहां नपा और राजस्व विभाग के जिम्मेदार पहुंचे। आखिरकार यहां काम रुकवाया गया है। कहीं न कहीं इस मामले में नपा और पीडब्ल्यूडी के कुछ अधिकारियों की भी मिलीभगत नजर आ रही है।

मामला मेडिकल कॉलेज के पिछे स्थित जमीन का है। यहां पुलिस विभाग को जमीन आवंटित की गई है। लेकिन, यहां बनाई जा रही कॉलोनी में पुलिस विभाग की जमीन पर एप्रोच रोड तैयार की जा रही थी। जिससे कॉलोनी में बसने वाले लोगों को लाभ हो सके। साथ ही कॉलोनी के प्लाट की लागत और ज्यादा बढ जाए। हकीकत यह है कि नपा के अधिकारियों को पहले ही इस बात की जानकारी थी। इसके अलावा राजस्व के कारिंदे भी इस पूरी कहानी को जानते थे। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की। इधर एसपी अभिषेक आनंद को इस बात की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को सूचना दी। राजस्व के अलावा नपा इंजीनियर रोहित कैथवास सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने काम रुकवाया।

कॉम्बिंग गश्त में कई स्थायी वारंट तामिल कराए, निकाला जुलूस

रतलाम, 20 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर पुलिस असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर एक बार फिर सड़क पर उतरी है। मैने तो कभी पलक लेकर चलना ही है। रातभर कांबिंग गश्त कर लंबे समय से फरार 19 स्थायी वारंटी और 58 गिरफ्तारी वारंट तामील कराए गए। होटल-ढाबों की आकस्मिक जांच की गई, जांच में ढाबों से अवैध शराब मिली।

रतलाम एसपी अमित कुमार, एएसपी राकेश खाखा बल के साथ सड़क पर उतरे। रात भर पुलिस अधिकारियों ने रतलाम शहर समेत जिले के सभी अनुभाग में संबंधित थाना प्रभारी और पुलिसकर्मियों की टीम बनाकर रवाना की। इस दौरान गुंडे, बदमाशों, वारंटियों, असामाजिक तत्व पर निगरानी और धरपकड़ के लिए कांबिंग गश्त की गई। पुराने कंट्रोल रूम पर एसपी अमित कुमार ने कांबिंग गश्त को लेकर पुलिस बल को आवश्यक निर्देश देकर रवाना किया। ट्रेनी आईपीएस विक्रम अहिरवार, सीएसपी रतलाम सत्येंद्र घनघोरिया, एसडीओपी जावरा शक्ति सिंह चौहान, एसडीओपी आलोट शाबेरा अंसारी ने अपने-अपने अनुभाग में गश्त की।

बलात्मक रिपोर्ट की, 2 पेटी अवैध शराब मिली...

पुलिस टीम द्वारा ढाबों, होटलों एवं सार्वजनिक स्थानों की चेकिंग की गई। इस दौरान औद्योगिक थाना क्षेत्र जावरा अंतर्गत पाटीदार का ढाबा सोहनगढ से 02 पेटी अवैध शराब जब्त की गई। चेकिंग के दौरान बेवजह घूमने वाले लोगों को समझाइश दी गई।

रेलवे: प्रयागराज कुंभ मेला के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित..!

वड़ोदरा-दाहोद मेमू 15 दिन निरस्त

मंदसौर, 22 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ को लेकर रतलाम रेल मंडल की दो ट्रेन प्रभावित होगी। इसके अलावा महाकुंभ में अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। महाकुंभ में अतिरिक्त रेक की आवश्कता यकता को देखते हुए रेलवे ने वडोदरा से दाहोद के बीच चल रही मेमू ट्रेन को 15 दिनों के लिए निरस्त किया है।रतलाम रेल मंडल पीआरओ खेमराज मीना ने बताया महाकुंभ के कारण गाड़ी संख्या 69233/69234 वडोदरा-दाहोद-वडोदरा मेमू 22 जनवरी से 05 फरवरी तक निरस्त रहेगी।

यह ट्रेन होगी शॉर्ट टर्मिनेट...

28-29 जनवरी और 2-3 फरवरी को डॉ. अंबेडकर नगर से चलने वाली ट्रेन संख्या 14115 डॉ. अंबेडकर नगर-प्रयागराज एक्सप्रेस खजुराहो स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

29-30 जनवरी और 3-4 फरवरी को प्रयागराज जंक्शन से चलने वाली ट्रेन संख्या 14116 प्रयागराज-डॉ. अंबेडकरनगर एक्सप्रेस खजुराहो से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी।

दुरंतो एक्सप्रेस निजामुद्दीन स्टेशन तक जाएगी...

उत्तर रेलवे दिल्ली मंडल के नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म क्रमांक 3 पर वॉशेबल एप्रन निर्माण कार्य के कारण रतलाम मंडल से होकर गुजरने वाली दो ट्रेनों के टर्मिनल स्टेशन में बदलाव किया है। तत्काल प्रभाव से 3 फरवरी तक गाडी संख्या 22209/22210 मुंबई सेंट्रल- नई दिल्ली- मुंबई सेंट्रल दुरंतो एक्सप्रेस नई दिल्ली के स्थान पर हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन तक जाएगी तथा वहीं से चलेगी।

प्रशासन को खाली सड़के सुहाती नहीं, पार्किंग और बाजार में बदलते जा रहे है मार्ग...

मंदसौर/उज्जैन, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शहरी क्षेत्र के किसी भी मार्ग से पैदल या मोटर साइकल या कार या साइकिल से भी गुजरे तो बगैर रुके या अवरोध के 10 मीटर भी चलना मुश्किल है। पाठकों को अवगत करा दें कि शासन की ओर से यहां जिलाधीश और पुलिस अधीक्षक अपने महकमे में के साथ पदस्थ है। ऐसा भी नहीं है कि यह अधिकारी मंदसौर नगर की सड़को से उनके वहां नहीं गुजरते हैं। पर अतिक्रमण से घिरी सड़के देख जैसे इन्हें रूहानी सुकून मिलता होगा! फिर सरकारी वाहनों में तो सायरन का उपयोग होता है, इसकी आवाज से शहर के सभी नागरिक से लेकर सड़क पर अतिक्रमण धारी पुलिस रिकॉर्ड में अपराधी कहलाने वाले भी सड़क को खाली कर जहां जगह मिलती है, वहीं दुबक जाते हैं । ऐसा भी नहीं है कि जिले के पुलिस कप्तान की जानकारी नहीं है या ऐसे अवरोध पुलिस प्रशासन के केमरे में नजर नहीं आते होंगे। जब ऐसे दृश्य आम और प्रतिदिन सुबह से रात तक नगर की तमाम सड़कों पर यातायात को प्रभावित करते हैं, तब जिंदा पुलिस प्रशासन क्यों नजरअंदाज करता चला रहा है !

चन्द्रमोहन भगत

पुलिस व्यवस्था की बात करें तो खुद कप्तान कह चुके हैं कि अपराध रोकने के लिए कैमरे लगाए हुए है। कैमरे के कारण महिलाओं पर होने वाले अपराधों में कमी आई है। कप्तान कह रहे हैं तो कमी आई भी होगी और यह भी की कप्तान फुटेज देखते हैं। फिर आम जनता जिस परेशानी से प्रतिदिन हलाकान हो रही है, यह पुलिस केमरों में कैद क्यों नहीं होते ?

प्रतिदिन देखिए, जैसे प्रतिस्पर्धा चल रही है सड़कों को सकरा करने की और आसपास गुमटियां लगाने की। गोल चौराहे पर सब्जी वालों के ठेले दोनों तरफ लगते हैं। कुछ प्रभावशाली बुद्धिमान लोग कारों को सड़क पर खड़ा कर अच्छी सेहत के लिए ताजी सब्जियां खरीदते नजर आएंगे। यहीं ट्रांसपोर्ट होने के कारण सुबह ट्रक भी आ जाए, तब अवरोध भी सोने में सुहागा जैसा नजर आता है। कप्तान को यहां जाम लगने के फोटो भी व्हाट्सएप पर भेजें जा चुके हैं। सभ्यता स्टोर का उच्च स्तरीय जलवा देखा जा सकता है। यहां आने वाले प्रभावशाली अधिकारी, ग्राहकों के चौपइयां वाहन सड़क पर पार्क होकर आधी सड़क घेर लेते हैं। पास ही चौकी के जवान खड़े रहते हैं, जो जानकर ऐसी स्थिति को नजर अंदाज करते हैं।

गांधी चौराहे से युवराज क्लब होकर बस स्टैंड तक जाना तो किसी हेर्डल रेस से कम नहीं है। प्रतिदिन इस सड़क पर और सड़क को छूकर ठेले लगाने वाले या दुकान लगाने वालों की होड़ चल रही है। यहां बेकरी वाले सम्माननीय व्यवसाई का एक काउंटर तो सडक पर ही लगता है। बस स्टैंड और बालाजी मंदिर के आसपास ओटले और प्याऊका अतिक्रमण दिन प्रतिदिन विकराल हो रहा है और सड़क पर दिनभर फैलता पानी वाहनों के फिसलने का कारण बन गया है। पर जिला प्रशासन को सुंदर और शुभ लग रहा है, जिससे कि रोज फिसलने से गिरने वालों की संख्या बढ़ती रहे।

शहर के सभी नर्सिंग होम्स के संचालकों ने तो सार्वजनिक सड़क पर घोषित निजी पार्किंग बना आवागमन अवरोध खड़े किए हुए हैं। घंटाघर पर भी अव्यवस्थित वाहन स्टैंड नजर आता है। यहां से मंडी गेट तक की सड़क दुकानदारों और उनके ग्राहकों के वाहनों के साथ सुघड़ यातायात व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। ऐसे और भी अनेक मार्गों की हालत है, जिस मार्ग पर निकल जाएं बरबस ही यातायात पुलिस की प्रशंसा करने के विचार नागरिकों के मन में उठने लगते हैं। ऐसे अवरोध भरे दृश्य ही प्रमाणित करते हैं कि कप्तान की यातायात पुलिस को 26 जनवरी को सम्मान मिलना तय है।

कल होगी फूल ड्रेस रिहर्सल– गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को होने वाली परेड़ एवं उस दौरान होने वाले कार्यक्रमो की फायनल रिहर्सल कल 24 जनवरी को होगी। उसकी तैयारी लगातार जारी है।

विचार-मंथन

दूसरे देशों में जाकर संकट में फंस रहे भारतीय

अक्सर अनधिकृत रूप से, चोरी-छिपे या गलत दस्तावेजों और चालबाज बिचौलियों की मार्फत परदेस पहुंचे लोगों को संकट का सामना करना पड़ता है। खासतौर पर वैसी स्थिति में जब वैसे देशों के बीच युद्ध छिड़ा हो, जहां वे बाहर से गए हों तो उसकी मार अलग से झेलनी पड़ती है। कई लोग नाहक ही मारे जाते हैं। ऐसे समय में भारतीय विदेश मंत्रालय के लिए उन्हें वहां से निकालना कठिन काम हो जाता है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में फंसे ऐसे ही लोगों को निकालने के लिए विदेश मंत्रालय काफी समय से जद्दोजहद कर रहा है। अभी मंत्रालय ने कहा है कि वहां रूस-यूक्रेन मोर्चे पर अब तक बारह भारतीय मारे जा चुके हैं, सोलह लापता हैं, एक का इलाज चल रहा है। कुछ महीने पहले पता चला कि बिचौलियों के जरिए भारत से बड़ी संख्या में ऐसे युवक रूस गए हैं, जिन्हें भर्ती तो किसी और काम के लिए किया गया था, मगर वहां पहुंचने के बाद उन्हें रूसी सेना में भर्ती करा कर यूक्रेन के साथ छिड़ी जंग में भेज दिया गया। जब उनके परिजनों को इस बात की खबर मिली, तो उन्होंने भारतीय विदेश मंत्रालय से वापस लाने की गुहार लगाई। जांच से पता चला कि ऐसे एक सौ छब्बीस युवकों को जंग में झोंक दिया गया था। विदेश मंत्रालय की अपील पर रूस सरकार ने छियानबे भारतीय नागरिकों को वापस भेज दिया। ऐसे मामले अन्य देशों में भी देखे जा चुके हैं। रोजगार की तलाश में बहुत सारे युवा अनधिकृत रूप से दूसरे देशों में प्रवेश करने का प्रयास करते हैं। कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन आदि देशों से तो इस तरह अनधिकृत प्रवेश करने वाले अनेक लोगों के मारे जाने की खबरें भी आती हैं। खाड़ी देशों में भी इसी तरह बहुत सारे युवक जाते और वहां बंधक बना लिए जाते हैं। इन मामलों के मद्देनजर भारत सरकार लगातार अपील करती रहती है कि विदेश जाते समय अपना पंजीकरण अवश्य कराएं, ताकि आपके बारे में यहां सही-सही जानकारी उपलब्ध रहे और किसी संकट के समय वहां से निकालना आसान हो। बिचौलियों और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल से भी सावधान करती रही है, मगर हकीकत यह है कि हर वर्ष हजारों लोग इस अपील को धता बताते हुए विदेश जाने का प्रयास करते हैं। इसकी वजहें सरकार को भी पता हैं और यह भी छिपी बात नहीं है कि ऐसे लोगों की ख्वाहिशों का लाभ उठाने वाले बिचौलियों पर अंकुश नहीं लगाया जा पा रहा। जब पंजाब में 'कबूतरबाजी' के बढ़ते मामले प्रकाश में आए थे, तब सरकार ने ऐसे बिचौलियों पर अंकुश लगाने की पहल की थी, मगर वह पूरी तरह कामयाब नहीं हो पाई है। यह भी विचार करने का विषय है कि क्यों हमारे देश से बड़ी संख्या में युवा विदेश का रुख करते हैं। यह केवल ऊंची डिग्रियां हासिल कर चुके युवाओं के साथ नहीं है, छोटे-मोटे काम की चाह में भी बहुत सारे युवा दूसरे देशों का रुख कर लेते हैं। सब जानते हैं कि यहां रोजगार के पर्याप्त अवसर और आमदनी का साधन न होने के कारण, थोड़ी बेहतर जिंदगी की उम्मीद लिए लाखों युवा हर वर्ष ऐसे देशों में भी जाने का प्रयास करते हैं, जहां कोई खास कमाई के अवसर नहीं हैं। थोड़े संपन्न माने जाने वाले देशों में प्रवेश पाने के लिए तो मुंहमांगी रकम खर्च करने को तैयार देखे जाते हैं। अच्छी बात है कि सरकार दूसरे देशों में संकट में फंसे लोगों को वापस लाने के संजीदा प्रयास करती है, मगर जब तक रोजगार के मोर्चे पर मुस्तैदी नहीं दिखेगी, लोग परदेस में पीड़ा झेलने को मजबूर होते रहेंगे।

न सुशासन, न रोजगार, सिर्फ फ्रीबीज की बौछार

कमलेश पांडे

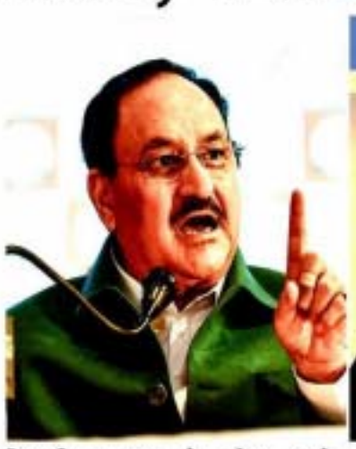

राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावों के समय मतदाताओं के लिए एक से बढ़कर एक फ्रीबीज की जो बौछारें हो रही हैं, वह वोटर्स को रिश्वत नहीं तो और क्या है, इसे समझना जरूरी है! वहीं, जिन राजनीतिक दलों ने अपने चुनावी वायदों के अनुपालन में कोताही बरती, उनके खिलाफ क्या कार्रवाई होनी चाहिए, यह भी स्पष्ट नहीं है! इसलिए वायदे करो और फिर मुकर जाओ या फिर आधे-अधूरे पूरे करो, कोई पूछने वाला नहीं है! तभी तो राजनीतिक दलों की बल्ले-बल्ले है। चूंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 का शोर मचा हुआ है, इसलिए इस फ्रीबीज की चर्चा पुनः आवश्यक है, ताकि मतदाता जागरूक हो सकें। कहने को तो दिल्ली को छोटा हिन्दुस्तान और दिल वालों का शहर कहा जाता है, लेकिन पिछले 10-12 वर्षों में यहां जितनी राजनीतिक दिलग्गी हुई, वह बात किसी से छुपी हुई नहीं है। चाहे केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी और एनडीए हो या फिर राज्य में सत्तारूढ़ आप और इंडिया गठबंधन, जिससे कभी आप जुड़ती है तो कभी तलाक ले लेती है! और देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस जो अपने नेतृत्व वाले गठबंधन या फिर अपने द्वारा समर्थित गठबंधन का अपनी सुविधा के अनुसार गला मरोड़ने में माहिर समझी जाती है, ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में राजनीतिक किंतु-परन्तु की सारी हदें पार कर चुकी हैं। चूंकि इन राजनीतिक दलों ने खुद के लिए कोई आदर्श राजनीतिक नियम और उसके निमित्त बाध्यकारी कानून नहीं बनाकर रखे हैं, या फिर नाममात्र का बनाए हुए हैं, जिसकी व्याख्या ये लोग अपने मनमुताबिक कर लेते हैं, इसलिए इनकी सारी राजनीतिक हरकतें जायज समझी जाती हैं। वहीं, इनको तोहफा या सजा बस जीत-हार के माध्यम से जनता जनार्दन ही देती आई है। यहां भी वह मतदाता दलित-महादलित, पिछड़ा-अत्यंत पिछड़ा, सवर्ण-गरीब सवर्ण, आदिवासी-अल्पसंख्यक, महिला-पुरुष, युवा-बुजुर्ग, किसान-मजदूर, कामगार या पूंजीपति आदि इतने खानों में विभाजित है कि उनकी फूट डालो और शासन करो की नीति अक्सर सफल होती आई है। शायद इसलिए जनता, सरकार और सुशासन के मुद्दे गौण पड़ जाते हैं और फ्रीबीज की चर्चा घर-घर पहुंचकर चुनावी खेल कर देती है। ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि सुशासन से लेकर रोजगार के मोर्चे पर विफल हो चुकी जनतांत्रिक सरकारों के द्वारा जिस तरह से फ्रीबीज की घोषणाएं की जा रही हैं, क्या यह देश की आर्थिक व्यवस्था यानी अर्थव्यवस्था के लिहाज से उचित है या फिर अनुचित है? यदि अनुचित है तो इससे बचने का रास्ता क्या है?देखा जाए तो कबीलाई युग से लोकतांत्रिक सरकार तक मनुष्य की पहली जरूरत शांति और सुरक्षा है, ताकि वह मेहनत करते हुए अपना जीवन निर्वाह कर सके और इस देश-दुनिया को बेहतर बनाने में अपने हिस्से का योगदान दे सके। हालांकि, ऐसे सुशासन की गारंटी न तो तब मिली थी और न अब मिली हुई है। शासक-प्रशासक बेहतर हो तो क्षणिक सुख-शांति संभव है, अन्यथा जलालत ही मानवीय सच है। याद दिला दें कि एक जमाने में जो राजनीतिक दल शिक्षा और स्वास्थ्य के बजट में कटौती दर कटौती करते चले गए कि राजकोषीय घाटा को पाटना है! और अब उन्हीं के द्वारा जब फ्रीबीज की वकालत हो रही है तो इस सियासी तिकड़म को समझना भी दिलचस्प है। चाहे संसदीय चुनाव हो या विधान मंडलीय चुनाव, या फिर स्थानीय चुनाव, होने तो 5 साल में ही हैं। इसलिए जैसे तैसे चुनावी वायदे करके सरकार बना लो, इसी घुड़दौड़ में सभी राजनीतिक दल जुटे हुए हैं। अब लोगों की दिलचस्पी न तो आजादी के तराने सुनने में है, न ही हिंदुत्व की माला जपने में। समाजवाद से लेकर वामपंथ तक अपने ही राजनीतिक हमाम में नंगे हो चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस विरोधी सम्पूर्ण क्रांति की सफलता-विफलता के लगभग चार दशक बाद हुई दूसरी कांग्रेस विरोधी अन्ना हजारे क्रांति की सफलता से उपजी आम आदमी पार्टी ने जो फ्रीबीज की सियासी लत लगाई और दिल्ली से पंजाब तक कांग्रेस-भाजपा का सफाया कर दी, उससे दोनों पार्टियों ने शुरुआती आलोचनाओं के बाद आप के सियासी एजेंडे को ही अपनाने में सफलता पाई। हिमाचल प्रदेश से कर्नाटक तक कांग्रेस की विजय और हरियाणा से उड़ीसा तक भाजपा की जीत इसी बात की साक्षी है। यही वजह है कि भाजपा नीत एनडीए, आप नीत संभावित तीसरा मोर्चा और कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में एक-दूसरे को मात देने के लिए अपने-अपने फ्रीबीज के सियासी घोड़े खोल रखे हैं। वह भी तब, जब करदाताओं की ओर से इसकी खुलेआम आलोचना हो रही है। वहीं, आपने देखा-सुना होगा कि केंद्र सरकार की अटपटी नीतियों पर सर्वोच्च न्यायालय तक ने टिप्पणी की, कि आखिर 80 करोड़ लोगों को आप कबतक मुफ्त या फिर कम कीमत पर अनाज देंगे। ऐसे में उन्हें आप रोजगार क्यों नहीं दे देते! कोर्ट की यह टिप्पणी जायज है और प्रशासन यदि चाहे तो उसके लिए यह मुश्किल भी नहीं है। वहीं, आम आदमी पार्टी ने अनुमन्य यूनिट तक फ्री बिजली, फ्री पानी, फ्री और किफायती शिक्षा व स्वास्थ्य, महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा, लक्षित वर्गों को अलग-अलग नगद आर्थिक मदद आदि जैसी जो चुनावी-प्रशासनिक रवायतें शुरू की है, और अब उन्हीं की देखा-देखी कांग्रेस और भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टियों में भी इस नीतिगत मुद्दे पर आपाधापी मची हुई है, यह नीति एक नए आर्थिक और अर्थव्यवस्था के संकट को जन्म दे सकती है। इसलिए इसको हतोत्साहित करने के लिए मतदाताओं को ही आगे आना होगा, अन्यथा यह नीति भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए आर्थिक कैंसर साबित होगी। डॉलर के मुकाबले गिरते रुपये भी तो इसी बात की चुगली करते हैं। आपने देखा-सुना होगा कि सरकार ने उद्योगपतियों के इतने के कर्जे माफ कर दिए, या फिर इतनी की सब्सिडी इन-इन धंधों/पेशों में दी जा रही है। इसी तरह से सरकार ने किसानों के इतने के कर्जे माफ कर दिए और इन-इन चीजों पर इतनी सब्सिडी दे रही है। इसी तरह से समाज के विभिन्न वर्गों को भी लुभाने के लिए सरकार कुछ न कुछ देकर दानी-दाता बनी हुई है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकार सबको सुशासन क्यों नहीं दे रही है? सड़कों पर इंसान सुरक्षित क्यों नहीं है? चाहे खेती हो या कारोबार, चोरी और लूट की बढ़ती फितरत से उद्यमी व मेहनतकश वर्ग परेशान है।

भारत-अमेरिका : नया एमओयू वैश्विक साइबर सुरक्षा में मील का पत्थर

अरुणिम भुयान

बयान में कहा गया, साइबर अपराध जांच पर समझौता ज्ञापन हमारी व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के हिस्से के रूप में भारत-अमेरिका सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने में मदद करेगा. भारत की ओर से भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) और गृह मंत्रालय इस समझौता ज्ञापन के क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदार हैं. अमेरिका की ओर से यह दायित्व होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) और इसकी घटक एजेंसियां, अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) और होमलैंड सुरक्षा जांच साइबर अपराध केंद्र (सी3) का होगा. यह एमओयू दोनों देशों की संबंधित एजेंसियों को आपराधिक जांच में साइबर खतरे की खुफिया जानकारी और डिजिटल फोरेंसिक के उपयोग के संबंध में सहयोग और प्रशिक्षण के स्तर को बढ़ाने की अनुमति देता है. यह समझौता ज्ञापन 2011 में शुरू की गई भारत-अमेरिका साइबर वार्ता का प्रमुख परिणाम है. साइबरस्पेस में आपसी चिंताओं को दूर करने के लिए स्थापित, यह मंच साइबर सुरक्षा, साइबर अपराध जांच और साइबरस्पेस में जिम्मेदार व्यवहार के लिए मानदंडों के विकास पर सहयोग की सुविधा प्रदान करता है.साइबर अटैक अक्सर लोकतांत्रिक संस्थानों, जैसे चुनाव प्रणाली, मीडिया और सार्वजनिक संवाद को निशाना बनाते हैं. भारत और अमेरिका आपसी सहयोग से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को गड़बड़ी और गलत सूचना अभियानों से बचाने के लिए रूपरेखा विकसित कर सकते हैं. भारत और अमेरिका साइबर गवर्नेंस पर वैश्विक नीतियों को आकार देने में प्रभावशाली भूमिका निभाते हैं. खुले, सुरक्षित और स्थिर साइबरस्पेस की वकालत करने में दोनों देशों की साझेदारी ऐसे मानदंड स्थापित करने में मदद करती है जो डिजिटल तकनीकों के दुरुपयोग को रोकते हैं और दुर्भावनापूर्ण अभियानों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं. सुप्रीम कोर्ट में वकील और साइबर कानून विशेषज्ञ पवन दुग्गल ने बताया, यह समझौता ज्ञापन इसलिए बेहद अहम है क्योंकि भारत अभी भी बुडापेस्ट कन्वेंशन का हिस्सा नहीं है. जिसके कारण भारत के पास वैश्विक साइबर सहयोग तंत्र तक पहुंच नहीं है. ऐसे में, हम पाते हैं कि भारतीय साइबर अपराध की जांच अक्सर गतिरोध पर पहुंच जाती है. साइबर क्राइम पर कन्वेंशन, जिसे बुडापेस्ट कन्वेंशन ऑन साइबर क्राइम या बुडापेस्ट कन्वेंशन के रूप में भी जाना जाता है, इंटरनेट और साइबर अपराध को संबोधित करने, राष्ट्रीय कानूनों में सामंजस्य स्थापित करने, जांच तकनीकों में सुधार करने और देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की मांग करने वाली पहली अंतरराष्ट्रीय संधि है. इसे फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में यूरोप की परिषद द्वारा तैयार किया गया था, जिसमें यूरोप की परिषद के पर्यवेक्षक देशों कनाडा, जापान, फिलीपींस, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका की सक्रिय भागीदारी थी. कन्वेंशन और इसकी व्याख्यात्मक रिपोर्ट को 8 नवंबर, 2001 को यूरोपीय परिषद के मंत्रियों की समिति द्वारा अपने 109वें सत्र में अपनाया गया था. इसे 23 नवंबर, 2001 को बुडापेस्ट में हस्ताक्षर के लिए रखा गया था. यह 1 जुलाई, 2004 को लागू हुआ. जनवरी 2025 तक, 78 देश कन्वेंशन के हिस्सा बन चुके हैं, जबकि दो और देशों (आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका) ने कन्वेंशन पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं की है. हालांकि, भारत उन कुछ प्रमुख देशों में से है, जिन्होंने इस आधार पर कन्वेंशन को अपनाने से इनकार कर दिया है कि उन्होंने इसका ड्राफ्ट तैयार करने की प्रक्रिया में भाग नहीं लिया था. दुग्गल ने बताया कि नई दिल्ली को कन्वेंशन के अनुच्छेद 32डी पर गहरी आपत्ति है, जो भारत की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा को प्रभावित करता है. बुडापेस्ट कन्वेंशन का अनुच्छेद 32डी संग्रह किए गए डेटा के त्वरित संरक्षण के संबंध में सहयोग से संबंधित है. यह कन्वेंशन के दूसरे अतिरिक्त प्रोटोकॉल का हिस्सा है, जिसे साइबर अपराध जांच में सीमा पार सहयोग बढ़ाने के लिए अपनाया गया था. यह विशिष्ट आलेख सीमाओं के पार इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य - विशेष रूप से संग्रहीत डेटा - को संरक्षित करने की प्रक्रिया को रेखांकित करता है. दुग्गल के अनुसार, भारत-अमेरिका के बीच नया समझौता सहयोग के नए द्वार खोलेगा. उन्होंने कहा, इससे भारत में साइबर अपराध से लड़ने में और मदद मिलेगी।

षडयंत्र के आगे असहाय हुआ इजरायल

आतंकी संगठन 'हमास' के साथ इजराइल का समझौता हो चुका है। अमेरिका जैसे हथियारों के सौदागरों की चालें कामयाब हो गई हैं। आतंकियों को हथियारों की अवैध सप्लाई करके बेतहाशा पैसे कमाने वाले देशो में केवल अमेरिका की भागीदारी 40 प्रतिशत है। इस देश की लाकहीड मार्टिन, बोइंग और रेथियान कम्पनियां प्रमुख है जो वैध-अवैध ढंग से दुनिया भर में हथियारों की बिक्री कर रही है। रूस की रोसोबो रोनेक्स पोर्ट, अल्माज-एंटी और यूनाइटेड शिपबिल्डिंग शस्त्र निर्माता कम्पनियों की बिक्री में विगत 5 वर्षों में कमी आई है जबकि फ्रांस की डसाल्ट एविएशन, एयरबस और थेल्स कम्पनियां हथियारों की सप्लाई चेन बढ़ाने में जुटी है। इन्होंने अपनी उत्पादन क्षमता में 44 प्रतिशत तक इजाफा कर लिया है। चीन की सरकारी स्वामित्व वाली चाइना नार्थ इंडस्ट्रीज कारपोरेशन और चाइना एयरोस्पेस साइंस एण्ड टेक्नोलाजी कारपोरेशन प्रमुखता से शस्त्रों की बिक्री बढ़ाने में जुटी हैं। विश्व का पांचवा सबसे बड़ा हथियार निर्यातक देश जर्मनी है जहां की राइनमेटाल, एयरबस और कास-माफी वेगमैन प्रमुख शस्त्र निर्माता कम्पनियां है। इटली की लियोनार्डो, फिनकैंटिएरी और ओटो मेलारा जैसी कम्पनियां जमकर हथियार तैयार कर रही हैं। इन्होंने 45 प्रतिशत तक शस्त्र निर्माण में बढ़ोत्तरी की है। यूनाइटेड किंगडम की बीएई सिस्टम्स, रोल्स-रायल तथा एमबीडीए जैसी कम्पनियां संसार भर में हथियारों के जखीरे बेच रही हैं। स्पेन की नवंतिया, इंद्रा सिस्तेमास और सांता बारबरा सिस्तेमास फर्म निरंतर अपने हथियारों के उत्पादन में बढ़ोत्तरी कर रही हैं। दक्षिण कोरिया की कोरिया एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज, हुडई रोटेम और हानवा डिफेन्स कम्पनियों ने विगत एक दशक में अपनी क्षमता में 74 प्रतिशत की वृध्दि की है। यूं तो इजरायल भी एक शस्त्र निर्यात देश है परन्तु उसे चारों ओर से आतंकी संगठनों ने घेर रखा है। विगत 15 महीनों में इजरायल को ईरान, लेबनान, सीरिया, ईराक और यमन की कट्टरपंथियों की सरकारों से संरक्षित आतंकी संगठनों ने 'हमास' के पक्ष में निशाना बनाया है। अतीत गवाह है कि 7 अक्टूबर 2023 को आतंकी संगठन 'हमास' ने दक्षिणी इजरायल पर हमला करके 1200 बेकसूर लोगों को मौत के घाट उतार दिया तथा 252 लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले आया। तब से निरंतर हमास-इजरायल के मध्य युध्द जारी रहा। जान जोखिम में डालकर भी वहां के निवासियों ने 'हमास' के आतंकियों, उनके ठिकानों तथा उनकी उपस्थिति को सुरक्षा कवच दिया। कट्टरता के रंग में रंगे गाजावासियों ने जान की कीमत पर भी आतंकियों की हिफाजत की। इसी मध्य अमेरिका ने अपनी दोगली चालों से हथियारों के जखीरों का जमकर व्यापार किया। कट्टरपंथियों को आतंकवादी बनाकर दुनिया को गुलाम बनाने के मंसूबे पालने वाले देशों ने इजरायल पर राजनैतिक, कूटनैतिक और मानवता की दुहाई वाला षडयंत्र किया और हथियारों के सौदागरों की जुबान पर अपने शब्द रख दिये। संयुक्त राष्ट्र संघ की घातक भूमिका ने भी इजरायल को ही दोषी माना और उस पर नकेल कसने की कोशिशें कीं। समझौते के संदर्भ में कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी के अनुसार इजराइल अपनी जेलों में बंद 735 कैदियों को आजाद करेगा। इजरायल के अनुसार यह सभी कैदी खतरनाक आतंकी हैं जिन्हें गिरफ्तार किया गया था। इन कैदियों में अल अक्सा ब्रिगेड का पूर्व कमान्डर जकारिया जुबेइदी, महमूद अताल्लाह जैसे खूंखार कट्टरपंथी भी शामिल हैं। 'हमास' के कट्टरपंथियों ने 2 साल के बच्चे के बदले में 30 आतंकी और एक मां सहित उसके बच्चों के बदले में 100 आतंकी छोडने का दबाव बनाया है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5486

5	4	2	6			9	7	3
				4			8	
	1	3	9					
						5		
	3		2	1	4		9	
		4						
					9	1	6	
	5			7				
1	7	9			2	4	3	5

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5485

9	5	2	1	3	4	8	6	7
3	1	7	5	6	8	2	9	4
4	6	8	7	9	2	5	3	1
2	8	5	6	7	1	9	4	3
1	3	4	8	5	9	7	2	6
7	9	6	2	4	3	1	8	5
6	2	1	4	8	5	3	7	9
5	4	9	3	2	7	6	1	8
8	7	3	9	1	6	4	5	2

वर्ग पहेली 5486

संकेतः बाएं से दाएं

1. नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की झांसी की रानी ब्रिगेड की 23 अक्टूबर 1943 को यहां स्थापना की (4)
4. पिता की बहन को यह कहते है (3)
7. दो बार उठना ही, दो गुना (2)
8. साथ में यात्रा करने वाला, सहयात्री, सहप्रवासी (5)
10. विपत्ति, दुर्दशा, संकट (3)
11. माता लक्ष्मी के नामों में से एक (2)
12. जो, अगर (2)
13. भूत निवारणकर्ता, भूतहंता (3)
14. कीचड़, गारा, पंक (4)
16. हाथ, कर, एक नक्षत्र जिसमें पांच तारे है (2)
17. परंपरागत चला आता हुआ क्रम (4)
19. वर्तमान सूचक का एक अव्यय (1)
20. प्राचीन काल की दो या चार पहियों वाली सवारी जिसे घोड़े खींचते थे (2)
21. दलील, सुविचारित बात (2)
22. प्राचीन इकाई जो सवा तीन गज की होती है (2)
22. प्रतिध्वनि, हमेशा (2)

ऊपर से नीचे

1. [illegible] जिससे हिंदू धर्म की विवाहित महिलाएं मांग भरती है (3)
2. गीत प्रस्तुत करने की क्रिया (2)
3. जिसके मन में करुणा का भाव हो (5)
4. एकचारिका, एकचारिणी पत्नी, स्त्री (2)
5. पुष्प, चित्र (4)
6. मासिक, माहवारी, मासीन, माही (4)
9. दार्शनिक प्रणाली, राय, वोट, परामर्श (2)
10. कदाचित, संभवतः (3)
13. भूतों की स्वामी होने के कारण भगवान शंकर का एक नाम (4)
14. आतंक, भय (4)
15. क्षमताहीन, अशक्त, अधिक थका हुआ (2)
17. जलयुक्त, स्वादयुक्त (3)
18. इस नदी का नाम रेवा भी है (3)

वर्ग पहेली 5485 का हल

मा	ख	इ	ना	म	ल		सु
ल	ट		द	ला	ल	सु	रक्ष
ही	क	ल			न	क	
स	ना		कि	औ		ला	रा
न		ही	रो		प	र	म
	यु	र	ज		ध		न
मा	ना		जो	रा		मा	गी
ल		ही	धी		व	औ	र

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

डा. राठौर व उनकी पत्नी ने बिना हवा, मिट्टी व पानी के उगाई कश्मीर जैसी केसर

कश्मीर की लैब रिपोर्ट ने आईएसओ 3632 बेस्ट क्वालिटी का दर्जा दिया, पौधों को प्राकृतिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ध्वनि तरंगों को सुनाया

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। डॉ. कुणाल राठौर व पत्नी डॉ. निकिता राठौर ने पर्यावरण नियंत्रण करके हवा, मिट्टी व पानी का उपयोग किए बगैर ऐरोपॉनिक तकनीक से केसर उगाई है। ग्रोथ व पैदावार बढ़ाने के लिए ध्वनि तरंगों का उपयोग किया है। केसर की फसल पर यह प्रयोग पहली बार हुआ है। खास बात यह है कि इस केसर की क्वालिटि को भी कश्मीर की लैब ने सबसे अव्वल दर्जा दिया है।

मंदसौर शहर के डॉ. कुणाल राठौर व पत्नी डॉ. निकिता राठौर पेशे से दंत चिकित्सक हैं। डॉ. कुणाल बताते हैं कि दो साल से केसर की खेती करने का प्रयास कर रहे थे। पहले साल कंद लेकर आए और उगाने के प्रयास किए लेकिन फूल नहीं आए। फिर कश्मीर जाकर वहां कुछ दिन रुके और लोगों से संपर्क कर तकनीक सीखी और गलतियां सुधारी। दूसरे प्रयास में दोबारा कश्मीर से कंद लेकर आए। यहां ऐरोपॉनिक तकनीक से कश्मीर जैसा ही या यूं कहें कि उससे भी अनुकूल वातावरण दिया। तापमान, नमी

जैसे जरूरी तत्वों को पौधों तक पर्याप्त व परफेक्ट मात्रा में पहुंचाया। फूल अवस्था के साथ केसर लगना शुरू हो गई। उसकी क्वालिटी को जब कश्मीर में स्थापित इंडियन इंटरनेशनल कश्मीर सेफ्रॉन ट्रेडिंग सेंटर पर परखा तो केसर को ग्रेड-1 की कैटेगरी मिली। आईएसओ 3632 बेस्ट क्वालिटी का दर्जा दिया। साथ ही सातों पैरामीटर पर खरा उतरकर नॉन जीआई टैगिंग भी मिली। इस तरह से जो केसर की खेती की जाती है उसको इंडोर केसर फार्मिंग कहलाती है। कश्मीर में भी वहां की सरकार इस तकनीक पर जोर दे रही है। इसका कारण यह है कि कीडे लगने या फसल खराब होने का भय नहीं रहता। डॉ. राठौर ने इनडोर केसर फार्मिंग लगभग 1400 स्क्वेयर फीट क्षेत्र में अपने क्लिनिक के ऊपर छत पर लैब बनाकर करते हैं। जिसमें उन्होंने 300 ग्राम के आसपास केसर पैदा की है। डॉ राठौर का कहना है कि, वैकल्पिक व्यवसाय के लिए लंबे समय से सोच रहे थे। खोजबीन की तो यह कांसेप्ट पसंद आया। एल्युमिनियम सेक्शन से बनी लैब में पर्याप्त गैप में ट्रे के अंदर कंद रखें। कंट्रोल एनवायर्नमेंट एग्रीकल्चर तकनीक के तहत कार्बनडाइ ऑक्साइड, ग्रो लाइट, चिलर यूनिट सहित अन्य माध्यमों से लैब में परफेक्ट वातावरण दिया। ऐरोपोनिक फॉर्मिंग एक ऐसी तकनीक है जहां मिट्टी के बिना पौधे उगाए जाते हैं। धुंध वाला वातावरण बनाकर इस विधि के तहत जडों के माध्यम से पौधे को पोषण दिया जाता है।

पौधों को प्राकृतिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ध्वनि तरंगों को सुनाया- डॉ राठौर के अनुसार ऐरोपॉनिक के अलावा ग्रोथ व क्वालिटी के लिए केसर पर पहली बार ध्वनि तरंगों का उपयोग किया। राठौर ने इसे अकॉस्टिक ब्लूमिंग तकनीक नाम दिया है। परफेक्ट फ्रिक्वेंसी, प्रवाह में प्राकृतिक, आध्यात्मिक व वैज्ञानिक साउंड का उपयोग किया। इससे गुणवत्ता व पैदावार में सुधार देखा गया।

अशोक सोनी मेलखेड़ावाला जय भारत मंच के जिलाध्यक्ष नियुक्त

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जय भारत मंच के जिलाध्यक्ष पद पर श्री अशोक सोनी मेलखेडावाला को नियुक्त किया गया है। श्री सोनी की यह नियुक्ति राष्ट्रीय मार्गदर्शक श्री इंद्रेश कुमार, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पुष्पराज तिवारी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री अर्जुन सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री चंद्रसिंह सिसोदिया एमएलए गरोठ, प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती मीना सोनी रतलाम और प्रांतीय महामंत्री श्री कमल कोठारी मंदसौर की सहमति से की गई। श्री अशोक सोनी मेलखेडवाले की नियुक्ति पर सराफा बाजार मित्र मंडल के उमेश पारीक, दीपक गोठवाल, विपिन संघवी, राजेश सोनी, भारत संघवी, सहित सभी सदस्यों व मित्रों ने बधाई दी और केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सभी पटवारी दो दिन में शेष ई-केवायसी एवं फार्मर रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण करें-श्रीमती गामड़

नीमच, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड ने बुधवार को टाउन हॉल नीमच में राजस्व अधिकारियों एवं पटवारियों की बैठक में राजस्व महाअभियान की पटवारी हल्कीवार प्रगति की विस्तार से समीक्षा की और राजस्व महाअभियान के तहत खसरा, ई-केवाईसी एवं फॉर्मर रजिस्ट्री के कार्य की अपेक्षित प्रगति नहीं लाने और लक्ष्यि पूरा नहीं करने वाले पटवारियों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

एडीएम ने निर्देश दिए कि राजस्व महाअभियान में जिन पटवारियों ने अपेक्षित कार्य नहीं किया है,उनके विरूद्ध संबंधित एसडीएम कार्यवाही करें। उन्होने बैठक में अनुपस्थित पटवारियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश भी एसडीएम को दिए। एडीएम ने निर्देश दिए, कि सभी एसडीएम अपने क्षेत्र के पटवारियों के बस्तों की जाँच करें और उनके हल्कों एवं गांव का निरीक्षण कर, दो दिवस में प्रतिवेदन प्रस्तुत करे। एडीएम ने कहा, कि जो किसान अपने क्षेत्र से बाहर रह रहे हैं, उनसे फोन पर संपर्क कर ओटीपी लें और ईकेवायसी, फार्मर रजिस्ट्री का शेष कार्य दो दिवस में पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रीती संघवी, डिप्टी कलेक्टर संजीव साहू, एसडीएम मनासा श्री पवन बारिया, श्री चंद्रसिह धार्वे, डिप्टी कलेक्टर सुश्री मयूरी जौक उपस्थित थी।

दशपुर जागृति संगठन आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाएगा

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर क्रांतिकारी एवं सैनिकों के सम्मान के लिए समर्पित देश व मंदसौर नगरी को क्रांतिकारी की नगरी मनाने के संकल्प को लेकर लगातार प्रयासशील दशपुर जागृति संगठन आज 23 जनवरी, गुरुवार को प्रात: 10 बजे क्रांतिकारी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा स्थल प्रस्तावित जगह पर जाकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पुष्पांजलि अर्पित करेगा।

संगठन द्वारा लगातार 12 वर्षों से नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौराहे एवं प्रतिमा की मांग के साथ ही नगर को क्रांतिकारी की नगरी बनाने के संकल्प लेकर कार्य करते रहा है। नगरपालिका के तत्कालीन अध्यक्ष स्व. प्रहलाद बंधवार द्वारा पशुपतिनाथ मंदिर गेट मेनपुरिया के समीप जो प्रतिमा स्थापना हेतु स्थल चयनित किया गया था। इस स्थल पर लगातार 12 वर्षों से संगठन कार्य कर रहा है इसी कडी में 23 जनवरी को प्रात: 10 बजे गुरुवार को दशपुर जागृति संगठन के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य इस कार्यक्रम में भागीदारी करेंगे। संगठन ने संकल्प लिया है कि जब तक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा नगर में स्थापित नहीं हो जाती तब तक संगठन बिना मंच व बिना माइक के खडे-खडे नेताजी को पुष्पांजलि अर्पित करेगा। संगठन के कार्यक्रम प्रभारी उपाध्यक्ष बीएस सिसोदिया, अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र पौराणिक, कार्यकारी अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा, उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश बिश्नोई ने संयुक्त रूप से अपील की है कि कार्यक्रम को सफल बनाने एवं मांग को मुखर करने के लिए आज प्रात: 10 बजे मेनपुरिया चौराहे पहुंचकर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करें यह जानकारी मीडिया प्रभारी अरुण गोड द्वारा दी गई।

बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं योजना के तहत नीमच में प्रभातफेरी निकाली

नीमच, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। बेटी बचाओं बेटी पढाओं योजना अंतर्गत 22 जनवरी 2025 को बेटी बचाओं बेटी पढाओं योजना के संचालन के दस वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 22 जनवरी 2025 से 08 मार्च 2025 तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

उक्त कार्यक्रम के तहत बुधवार को शासकीय बालक उच्च. माध्यमिक विद्यालय नीमच क्र. 02 से कमल चौक होते हुये फोर जीरों चौराहे तक प्रभात फेरी आयोजित की गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री टी.सी.मेहरा के मार्गदर्शन में प्रभातफेरी में बेटी बचाओं बेटी पढाओं योजना के नारे लगाते हुये बड़ी संख्या में शौर्या दल सदस्यों, स्काउट एवं गाईड के सदस्य, एन.सी.सी. की बालिकाओं, महिला पुलिस बल एवं आंगनवाडी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रभात फेरी के अंत में बेटी बचाओं बेटी पढाओं योजना अन्तर्गत बालिका शिक्षा, बालिका भ्रुण हत्या रोकथाम, बालिका सुरक्षा एवं बालिका संरक्षण के लिए हस्ताक्षर अभियान का आयोजित किया गया तथा शपथ दिलवाई गई।

गुजराती सेन समाज नगर इकाई मंदसौर की चुनाव प्रक्रिया 25 को

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। गुजराती सेन समाज की मंदसौर नगर इकाई के वरिष्ठएवं युवा अध्यक्ष के निर्वाचन प्रक्रिया 25 जनवरी 2025, शनिवार को प्रात: 11 बजे संजय गांधी उद्यान स्थित पं. मदनलाल जोशी सभागृह पर सम्पन्न होंगे। उक्त जानकारी देते हुए निर्वाचन अधिकारीगण सर्वश्री रामचन्द्र परिहार, सोहनलाल परिहार, अनिल वप्ता, ब्रजेश टांकवाल, राजेश सोलंकी, लीलाधर गेहलोद, किशोर सेन लाईनमेन, राजेश परमार व शंभुसेन राठौर ने बताया कि 25 जनवरी को प्रात: 11 बजे से संजय गांधी उद्यान स्थित पं. मदनलालजी जोशी सभागृह में चुनाव प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। जिसमें एक से अधिक उम्मीदवार होने पर आपसी सामंजस्य व आपसी सहमति से अध्यक्ष घोषित किया जाएगा। अति आवश्यक होने पर गोटी के द्वारा अध्यक्ष उम्मीदवार का चयन किया जाएगा। अंतिम निर्णय निर्वाचन समिति का होगा जो सभी को मान्य होगा। चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न होने के बाद समाजजनों का स्नेह भोज रखा गया है। निर्वाचन अधिकारीगण ने सभी समाजजनों से निर्वाचन प्रक्रिया व स्नेहभोज में आवश्यक रूप से उपस्थित होने की अपील की है।

टीम एवीएस की जिला कार्यकारिणी घोषित

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। धार्मिक, सामाजिक, पर्यावरण, स्वास्थ्य, योगासन और मदद के क्षेत्र में कार्य करने वाली सामाजिक संस्था टीम एवीएस ने पिछले दो वर्षों में कई कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न किया है जिसमें शिवना नदी अभियान मुख्य रूप से रहा है, टीम एवीएस द्वारा 3 वर्षों से शिवना नदी पैदल यात्रा का आयोजन भी किया जा रहा है उक्त कार्यों को गति देने के लिए सन 2025 - 26 दो वर्षों के लिए टीम एवीएस की जिला कार्यकारिणी घोषित की गई।

उक्त जानकारी देते हुए संस्थापक मनीष भावसार ने बताया कि टीम एवीएस के संरक्षक के रूप में गुरुदेव महंत रामकिशोर दास जी, गुरुदेव मणि महेश चैतन्य जी, गुरुदेवदेवेंद्र जी शास्त्री, गुरुदेव पंडित दशरथ भाई शर्मा, गुरुदेव विष्णु शर्मा गुरुदेव मिथिलेश जी नागर, गुरुदेव कृष्ण वल्लभ शास्त्री, गुरुदेव शिवकरण प्रधान संरक्षक के रूप में टीम एवीएस को आशीर्वाद प्रदान करेंगे। इसके साथ ही मार्गदर्शक के रूप में वरिष्ठ प्रवीण मिंडा , अशोक डबकरा, कपिल भंडारी, पुष्पेंद्र भावसार, दिनेश हमोरा बसंतीलाल मालवीय पत्रकार बृजेश जोशी, परामर्शदाता- डॉ भानु प्रताप सिंह सिसोदिया, राकेश सिंह केलवा दलोदा, रमेश धाकड नगरी, भरत जोशी पिपलिया, अरविंद कागला मंदसौर, जिला संयोजक- गोविंद शर्मा अमलावद, सहसंयोजक- मुकेश पाटीदार रिंडा, राकेश विश्वकर्मा भालोट, कन्हैया धनगर जमालपुर, ओम प्रकाश पाटीदार रिछा बच्चा, महेश भटेवरा भावगढ, राजेश शुक्ला मन्दसौर। जिला अध्यक्ष - सुरेश बैरागी गांव अघोरिया उपाध्यक्ष- सुरेश राठोर मंदसौर , ओम पाटीदार रिंडा, अमलेश रावल गुदीयाना , कमलेश भावसार भावगढ , कमलेश जैन निम्बोद, संजय पवार मंदसौर दिनेश विश्वकर्मा भालोट। सचिव- उमेश सिंह बेस मैनपुरिया सहसचिव - भगवती साहू भालोट, उत्सव जैन सीतामऊ, प्रहलाद शर्मा भालोट, प्रमोद भावसार अफजलपुर। कोषाध्यक्ष - नंदकिशोर कुमावत बैंक रेवास देवड़ा, सहकोषाध्यक्ष दीनदयाल भावसार, पिण्टेश सोनी मन्दसौर। जिला समन्वयक - महेश कुमावत मंदसौर, वरदीचंद श्रीमाल खिलचीपुरा। जिला मीडिया प्रभारी - शुभम लक्षकार, जिला सह मीडिया प्रभारी - मितेश भावसार , जितेंद्र सरगरा नगरी। संगठन मंत्री- रमेश सोलंकी बानी खेडी, धार्मिक कार्य संयोजक - दिनेश शर्मा जवासिया, पर्यावरण कार्य संयोजक- रामगोपाल कुमावत मंदसौर , मदद कार्य संयोजक - अशोक पाटीदार आकोदडा, स्वास्थ्य कार्य संयोजक - पीयूष बघेरवाल । योगासन कार्य संयोजक- आस्था भावसार मनोनीत किए गए । आप सबके सहयोग से टीम एवीएस सन 2025 - 26 दो वर्षों में सफलतापूर्वक कार्य करेगी। टीम को आने वाले समय में नगर , तहसील कार्यकरणीं की घोषणा की जाएगी।

एक्सट्रा हाई टेंशन सब-स्टेशनों को रिमोट से संचालित करने एमपी ट्रांसको ने बढ़ाया पहला कदम

जबलपुर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। एम.पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) ने नवाचार करते हुये प्रदेश के कुछ चुनिन्दा 132 के.व्ही. ए.आई.एस (एक्सट्रा हाई टेंशन एयर इंसूलेटेड स्विच गेयर सबस्टेशनों) को रिमोट से संचालित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढाया है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि एम.पी. ट्रांसको के जबलपुर स्थित 132 के.व्ही. सबस्टेशन माढोताल को रिमोट से नियंत्रण और संचालित किये जाने के कार्य का पहला चरण पूरा कर लिया गया है।

श्री तोमर ने बताया कि यह प्रदेश का पहला ऐसा पुराना ए.आई.एस (एयर इंसूलेटेड स्विच गेयर) सबस्टेशन है जिसे मानवरहित आपरेशन करने की तकनीक के तहत रिमोट (नजदीक के 220 के व्ही सबस्टेशन जबलपुर) से नियंत्रित और संचालित किया जायेगा। इस माह सेवानिवृत्त हो रहे अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एस व्ही वझे को प्रबंध संचालक इंजीनियर सुनील तिवारी ने सम्मान देते हुए 220 के व्ही सबस्टेशन जबलपुर से रिमोट आपरेशन का पहला क्लिक करने का गौरव दिया। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई ने इस सफलता के लिए एम पी ट्रांसको को बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा प्रदेश के तीन पुराने सबस्टेशनों को रिमोट (मानव रहित सबस्टेशन) से संचालित करने का कार्य प्रयोग के तौर पर किया जा रहा है, जबलपुर ऐसा पहला सबस्टेशन है जहां इस प्रोजेक्ट का पहला चरण पूरा कर लिया गया है। अन्य सबस्टेशनों में भोपाल का 132 के.व्ही. सबस्टेशन अयोध्या नगर तथा इंदौर में 132 के.व्ही. सत्यसांई सबस्टेशन शामिल है, जिन्हें मानवरहित आपरेशन (रिमोट) से संचालित करने का कार्य प्रगति पर है। एस.ए.एस. (सबस्टेशन ऑटोमेशन सिस्टम) के इन सब स्टेशनों को एम.पी. ट्रांसको में नई टेक्नालॉजी के एडॉप्शन के तहत बनाया गया है। इस अत्याधुनिक तकनीक के उपयोग से जहां फाल्ट एनॉलिसिस शीघ्रता से हो सकेगा वहीं रिस्टोरेशन टाईम में भी कमी आयेगी।

इनहाउस डेवलप तकनीक ने किया काम आसान- रिमोट ऑपरेशन के लिये एम.पी. ट्रांसको के ओ.पी.जी.डब्ल्यू (फायबर आप्टिक ग्राउंड वायर) सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है। यह फाइबर आप्टिक नेटवर्क सिस्टम एम.पी. ट्रांसको द्वारा इनहाउस डेवलप किया गया है। एच.एम.आई. (ह्यूमन मशीन इंटरफेस) तकनीक के सहारे सबस्टेशन में रिमोट ऑपरेशन करने में सफलता हासिल हो सकी है। एम पी ट्रांसको के मुख्य अभियंता श्री प्रवीण कुमार गार्गव और अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री मनीष खरे ने इस इनहाउस नवाचार की रुपरेखा तैयार करने और क्रियान्वयन करवाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मोटर दुर्घटना में क्षतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत 12,40,000/- का आवेदन पत्र निरस्त

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सदस्य मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण श्रृंखला न्यायालय सीतामऊ के न्यायाधीश श्री मुरेन्द्रसिंह वर्मा द्वारा, आवेदक प्रवीण सिंह पिता भगवानसिंह निवासी खजूरीमांडा तह. सीतामऊका क्षतिपूर्ति आवेदन निरस्त कर यह अधिनिर्णय पारित किया कि आवेदक यह प्रमाणित करने में असफल रहा कि कथित दुर्घटना में बस ड्राइवर द्वारा तेज गति एवं लापरवाही पूर्वक द्वारा मोटर साइकिल को टक्कर मारकर दुर्घटना कारित की।

आवेदक द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट में विलम्ब का जो कारण बताया है, वह आवेदक द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य व दस्तावेज से समर्थित नहीं है। आवेदक द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ प्रस्तुत दस्तावेंजो में गिरने से चोट आने का उल्लेख है। दुर्घटना का उल्लेख नहीं होने से तथा घटना की रिपोर्ट 21 दिन पश्चात लेट कराए जाने से यह नहीं माना जा सकता है कि दुर्घटना में आवेदक को कोई चोट आई थी। प्रकरण में अनावेदक, वाहन चालक ने कोई कथन नहीं किए तथा वह प्रकरण में उपस्थित नहीं रहा तथा आवेदक ने न्यायालय में इस बात को स्वीकार किया कि वाहन का चालक उसकी जाति का है तथा अन्य कोई चक्षुदर्शी साक्षी के कथन न्यायालय में नहीं कराए जाने के कारण माननीय न्यायाधिश द्वारा विपक्षी न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के अभिभाषक प्रफुल्ल यजुर्वेदी द्वारा प्रस्तुत न्याय दृष्टांत के प्रकाश में आवेदक प्रवीणसिंह का आवेदन सहव्यय निरस्त किया गया तथा अनावेदकगण का प्रकरण में हुआ व्यय भी वहन करने का आवेदन पारित किया है।

मप्र मदरसा बोर्ड की कक्षा 10वीं-12वीं उर्दू माध्यम के परीक्षा आवेदन 31 मार्च तक

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. मदरसा बोर्ड की सत्र 2025 में आयोजित होने वाली कक्षा 10वीं-12वीं उर्दू माध्यम की परीक्षाओं के आवेदन-पत्र भरने की सुविधा अधिकृत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से 20 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2025 तक एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। आवेदन-पत्रों में त्रुटि सुधार 10 अप्रैल तक किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन के पश्चात मूल दस्तावेज 15 अप्रैल 2025 तक भेजे जाना अनिवार्य है। इन परीक्षाओं को भारत सरकार एवं राज्य शासन से मान्यता एवं समकक्षता प्राप्त है। अधिकृत अध्ययन केन्द्रों एवं छात्रों को निर्देशित किया जाता है कि आवेदन-पत्र भरने से पूर्व बोर्ड द्वारा जारी दिशा निर्देशों का भलिभांति अवलोकन कर लें, जिससे की आवेदन-पत्रों में किसी प्रकार की त्रुटि न हो। दिशा-निर्देश मदरसा बोर्ड की वेबसाइट https://mpmb.org.in/ पर उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना: मप्र के सभी जिलों में मंदसौर-नीमच जिला वंचित क्यों?

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जून 2012 में मध्य प्रदेश सरकार के धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना शुरू की गई थी। इस योजना के तहत, राज्य सरकार राज्य के 60 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों (महिलाओं के लिए 2 वर्ष की छूट) को राज्य के बाहर किसी निर्धारित तीर्थ स्थान पर जाने के लिए एकमुश्त सहायता प्रदान करती है। इस योजना में, राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को देश के चिन्हित तीर्थ स्थल की नि:शुल्क यात्रा कराई जाती है। उक्त यात्रा से वरिष्ठ नागरिकों में खुशी की लहर रहती हैं।

अखिल भारतीय मारवाडी युवा मंच मंदसौर के जिला अध्यक्ष दिलीप सेठिया ने प्रदेश के मुख्य मंत्री श्री मोहन यादव से मांग की है कि मध्यप्रदेश के संपूर्ण जिलों के वरिष्ठ नागरिकों को मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा का लाभ दिया जा रहा है लेकिन इस यात्रा से मंदसौर नीमच जिले के वरिष्ठ नागरिक इस बार की यात्रा से वंचित हैं। सेठिया ने कहा कि प्रदेश सरकार 14 सितंबर 2024 से 26 फरवरी 2025 तक प्रदेश के सीनियर सिटीजन को धार्मिक यात्रा कराएगी। इस योजना के तहत पहली ट्रेन 14 सितबंर 2024से प्रारंभ हुई उज्जैन से वाराणसी-अयोध्या के लिए रवाना होगी. इसमें उज्जैन जिले के 300, सीहोर के 200 और विदिशा के 279 श्रद्धालु यात्रा करेंगे। 26फरवरी की यात्रा में मंदसौर नीमच जिले को सम्मिलित भी नहीं किया गया है। सेठिया ने मुख्यमंत्री श्री यादव से मांग की है कि मंदसौर नीमच के नागरिकों को भी इसका लाभ दिया जाए।

परामर्शदाताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्य मंत्री सामुदायिक नेतृत्व् क्षमता विकास कार्यक्रम के तहत म.प्र. जन अभियान परिषद जिला नीमच द्वारा आयोजित परामर्शदाताओं के दो दिवसीय प्रशिक्षण का समापन संभागीय समन्वेयक श्री शिव प्रसाद मालवीय के मुख्यद आतिथ्य में कृषि विज्ञान केन्द्रस नीमच में हुआ। संभाग समन्वबयक का स्वापगत परामर्शदाता विनोद राठौर ने किया, जिला समन्वीयक विरेन्द्र सिंह ठाकुर ने प्रशिक्षण में आयोजित विभिन्नस सत्रों एवं उनके प्रभावों का संक्षिप्ता व्याीख्यारन दिया। श्री मालवीय ने प्रतिभागियों को मार्गदर्शन देते हुये कहा कि परामर्शदाता अपनी भूमिका को पहचाने, शिक्षित तो सभी होते है परंतु प्रशिक्षित कुछ ही होते है, प्रशिक्षण का महत्वम यही है कि आप अपनी प्रतिभा को बाहर लाकर कुछ नया करने के लिए तैयार हो एवं इससे विद्यार्थियों का उत्कृष्ट मार्गदर्शन करें, यदि कोई विद्यार्थी किसी फील्डिवर्क में असफल होता है तो उसकी असफलता को भी गतिविधी के रूप में प्रदर्शित करवायें क्यों कि असफलता ही सफलता का मार्ग प्रशस्तत करती है एवं उस विद्यार्थी को प्रोत्साकहित करें जिससे वह आगे सफलता प्राप्ता कर सकें। नयी-नयी तकनिकों के माध्यकम से कक्षा को रोचक बनायें, यह पाठ्यक्रम जिस प्रकार यूनिक है उसी प्रकार हमें विद्यार्थी को भी यूनिक बनाना है जिससे समाज में उसकी एक अलग प्रतिष्ठित पहचान बन सके। सोश्ययल मिडिया, स्वसयं पहल करें, प्रत्ये क स्तपर पर अपडेट रहें, एकाग्रता एवं रोचक तथ्योंह का प्रयोग स्वांय भी करें एवं अपने विद्यार्थियों से भी करवायें तभी इस पाठ्यक्रम की सार्थकता सिद्ध होगी। प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस में प्रशिक्षक कर सलाहकार श्री नरेश मेहरा, पवन कुमरावत, वीरेन्द्रत सिंह ठाकुर द्वारा इंटर्नशिप, फील्डरवर्क, लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टदम का प्रशिक्षण दिया। प्रतिभागियों द्वारा कक्षा संचालन को किस प्रकार प्रभावी बनाया जाये इस पर समूह गतिविधि के माध्यमम से प्रस्तु।तिकरण दिया गया एवं प्रशिक्षण के अंतिम सत्र में प्रशिक्षण के प्रभाव का अंकलन टेस्टर के माध्यंम से किया जाकर मुख्यत अतिथि द्वारा सभी को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर प्रमाण पत्र वितरण किये गये। संचालन पवन कुमरावत ने किया एवं आभार विकासखण्डव समन्वयक महेन्द्रपाल सिंह भाटी ने किया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	20	2270	2501
उडद	26	4410	5500
सोयाबीन	4095	3751	4356
गैहु	1205	2900	3184
चना	52	5120	6050
मसुर	21	4301	5981
धनिया	158	5000	7600
लहसुन	14000	4001	17200
मैथी	232	4400	5836
मुंगफली	1259	3900	4720
अलसी	1148	5450	6150
सरसो	127	5421	5698
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	20	9000	12205
प्याज	7700	451	2191
कलोंजी	23	12000	15999
तुलसी बीज	1	15999	15999
डॉलर	3	4400	9100
तिल्ली	21	6700	10600
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	4	5500	6630
असालीया	30	5555	10740
चियाबीज	15	10200	17080

स्वच्छता सर्वेक्षण:अव्वल आना चुनौती

स्कूलों के शौचालय भी दिलाएंगे अंक, सार्वजनिक मूत्रालयों की दशा भी तय करेंगी रेकिंग की दिशा

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। लहसूनी पालक, एक दाल ओर सीधे स्वच्छता सर्वेक्षण में अव्वल आने का प्रयास करना। हालांकि, इस बार चुनौती होगी। इसका कारण है जहां एक और हर बार तीन माह पहले तैयारियां शुरु हो जाती है। इस बार नपा अधिकारी और अमला चुनावी भागदौड़ में व्यस्त रहे। ऐसे में इस बार समय थोडा कम मिलेगा।

इस बार मंदसौर सहित देश के शहरों को इन अंकों तक पहुंचने के लिए तीन नए प्वाइंट पर बेहतर काम करना पडेगा। इनमें 2 प्वाइंट पर्यटन स्थल साफ-सुथरे और स्कूल के शौचालय सुविधा युक्त होना चाहिए। तीसरा शहर के यलो स्पॉट (यूरिन प्वाइंट) को लिया है। शहर में जगह-जगह पेशाब घर हैं। इसके बाद भी शहर में कई स्थानों पर लोग खुले में यूरीन करते दिख जाएंगे। इसकी स्थिति सुधारना चुनौतीपूर्ण है। यलो स्पॉट को खत्म करने पर 60 नंबर तय किए है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 का प्रस्तावित सर्वे जुलाई में होना है। इस बार भी 12 हजार 500 अंकों के आधार पर ही सर्वे होगा।

आवारा पशुओं की समस्या कर सकती है पीछे...

पिछले साल के सर्वे में आवारा पशु और सड़कों के गड्ढों को भी शामिल किया था। अभी इसको लेकर गाइडलाइन नहीं आई है। इस बीच शहर में सडक़ों पर आवारा पशु रोज घूमते नजर आ रहे हैं। सडक़ों में भी कई स्थानों पर गड्ढे हैं। जहां से गुजरना मुश्किल हो जाता है।

पिछली बार ऑल ओवर रैंकिंग में हुई थी गिरावट...

2022 में प्रदेश में नपा मंदसौर ने 9वां व देश में 32वां स्थान प्राप्त किया था। लेकिन, पिछली बार वर्ष 2023-24की रैंकिंग में गिरावट होने से प्रदेश में 15वें तो देश में 51वें स्थान पर पहुंच गई। हालांकि इस बार 1 से 10 लाख की आबादी वाली निकाय को इसमें जोड़ा गया, इस कारण रैंकिंग प्रभावित हुई। नपा के दावे के मुताबिक 3 स्टार प्रमाणीकरण एवं ओडीएफ प्लस प्लस पुन: प्राप्त होने के साथ एक लाख से अधिक जनसंख्या वाली निकाय में मंदसौर नपा को संभाग में पहला स्थान मिला था।

कई सरकारी स्कूलों में नहीं हैं सफाईकर्मी...

स्वच्छ सर्वेक्षण में इस बार स्कूलों को भी शामिल किया गया है। सर्वे में नगरीय निकाय के सरकारी और निजी स्कूल दोनों को देखा जाएगा। उनके शौचालयों पर विशेष ध्यान रहेगा। जबकि, जिले में कई सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जिनमें शौचालय ही नहीं हैं। ऐसे में इन शौचालय में निर्माण कैसे संभव है। वहीं जहां शौचालय हैं, वहां कर्मचारियों के अभाव में सफाई की व्यवस्था नहीं है। शौचालयों में सफाई व्यवस्था के अलावा पानी, लाइट, नलों की टोंटी ठीक होना चाहिए। छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय भी इसमें देखे जाएंगे।

स्वच्छता रैंकिंग में कब कहां रहा मंदसौर

वर्ष 2018 :- स्टेट रैंक 03
नेशनल वेस्ट जोन रैंक 24
वर्ष 2019 :- स्टेट रैंक 24
नेशनल वेस्ट जोन रैंक 104
वर्ष 2020:- स्टेट रैंक 13
नेशनल वेस्ट जोन रैंक 50
वर्ष 2021 :- स्टेट रैंक 16
नेशनल वेस्ट जोन रैंक 63
वर्ष 2022 :- स्टेट रैंक 09
नेशनल वेस्ट जोन रैंक 32
वर्ष 2023:- स्टेट रैंक 15
नेशनल वेस्ट जोन रैंक 51

मंदसौर में बूचड़खाने पर प्रतिबंध को लेकर उच्च न्यायालय का निर्णय, शराब बंदी पर उठ रहे सवाल

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा हाल ही में दिए गए फैसले ने शहर में बूचड़खाने खोलने के विषय में नई दिशा दी है। अदालत ने यह कहा कि किसी शहर को धार्मिक आधार पर बूचड़खाने की स्थापना के लिए अनुमति देने से इनकार करना अस्वीकार्य है। न्यायमूर्ति प्रणय वर्मा की पीठ ने यह टिप्पणी की और राज्य सरकार की अधिसूचना का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया है कि किसी पवित्र क्षेत्र के आसपास 100 मीटर के दायरे को पवित्र माना गया है।

नेमीचंद राठौर

मंदसौर में यह विवाद विशेष रूप से पशुपतिनाथ मंदिर से 100 मीटर की दूरी को लेकर है, जिसे पवित्र क्षेत्र घोषित किया गया है। न्यायालय के फैसले के बाद, अब शहर में बूचड़खाने को खोलने का रास्ता साफ हो गया है, जिससे स्थानीय प्रशासन और धार्मिक संगठनों के बीच एक नया विवाद उठ सकता है। यह फैसला खासतौर पर उन धार्मिक समूहों के लिए निराशाजनक हो सकता है, जो शहर में बूचड़खाने की स्थापना का विरोध कर रहे थे। इसके अलावा, इस फैसले ने शराब बंदी के विषय में भी नए सवाल उठाए हैं। सोशल मीडिया पर इस मुद्दे पर बहस तेज हो गई है, जिसमें यह सवाल उठाया गया है कि यदि बूचड़खाने बंद नहीं हो सके तो शराब पर प्रतिबंध कैसे लागू किया जा सकता है। मंदसौर शहर में शराब बंदी का मुद्दा पहले से ही चल रहा था और अब यह विषय और भी अधिक संवेदनशील हो गया है। न्यायालय का निर्णय नगर पालिका के नियमों और शहर की धार्मिक संवेदनाओं के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता को उजागर करता है। जहां एक ओर शहर में धार्मिक भावनाएं हैं, वहीं दूसरी ओर व्यावसायिक और सामाजिक हितों का भी ध्यान रखा जाना जरूरी है। उच्च न्यायालय का यह निर्णय इस बात का संकेत है कि किसी भी धार्मिक भावना को लेकर होने वाली सार्वजनिक नीति में एक उचित संतुलन होना चाहिए, ताकि सभी पक्षों का हित सुनिश्चित किया जा सके।

इसके बावजूद, यह मामला मंदसौरवासियों के बीच एक गहरे विवाद का कारण बन सकता है। शहर में धार्मिक भावनाओं और व्यावसायिक हितों के बीच टकराव बढ़ने की संभावना है। इस फैसले के बाद, स्थानीय प्रशासन और नागरिक समाज को दोनों पक्षों के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए कदम उठाने की आवश्यकता होगी। इस पूरे घटनाक्रम से यह साफ है कि धार्मिक संवेदनाओं और व्यावसायिक गतिविधियों के बीच संतुलन बनाना मुश्किल कार्य हो सकता है। उच्च न्यायालय ने अपनी टिप्पणी में इस विवाद के कानूनी पहलुओं को ध्यान में रखा है, लेकिन अब यह देखना होगा कि मंदसौर में स्थानीय प्रशासन इस मुद्दे को कैसे सुलझाता है और भविष्य में इस तरह के मुद्दों पर किस तरह का निर्णय लिया जाता है।

किसानों को समर्थन मूल्य पर खरीदे गये गेहूँ पर मिलेगा 125 रूपये प्रति क्विंटल का बोनस

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। राज्य सरकार किसानों की खुशहाली और समृद्धि के लिये निरंतर कार्य कर रही है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये प्रदेश के पंजीयन कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 तक है। किसान ऐप के माध्यम से घर बैठे पंजीयन कर सकेंगे। पंजीयन के लिये ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्रों पर नि:शुल्क पंजीयन की व्यवस्था की गई है। गेहूँ उपार्जन के लिये समर्थन मूल्य 2425 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जो गत वर्ष की तुलना में 150 रूपये प्रति क्विंटल अधिक है।

पाइपलाइन डालने के दौरान हुई खराब सड़कों को जल निगम तुरंत ठीक करें

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार द्वारा जिला पंचायत सभागार में जिला पंचायत साधारण सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि जल निगम खराब सडकों को तुरंत ठीक करें। ऐसी सडके जो पेयजल पाइपलाइन बिछाने के दौरान ठेकेदार द्वारा खराब कर दी गई थी, उनको तुरंत ठीक करें। इसके साथ ही पाइपलाइन डालने का कार्य गुणवत्ता पूर्ण किया जाए। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि, जिन अस्पताल में पद रिक्त है वहां पर नए व्यक्ति को नियुक्त करें एवं स्वास्थ्य विभाग की समस्याओं को दुरस्त करें। एमपीईबी विभाग खराब ट्रांसफार्मर को तुरंत बदले एवं औद्योगिक क्षेत्र में लाइट की कम से कम कटौती की जाए। इसके साथ कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, वन, विभाग एवं अन्य सभी विभागों समीक्षा की गई। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती मनु प्रिया विनीत यादव, जनपद अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, साधारण सभा के सदस्य, जिलाधिकारी मौजूद थे।

फर्जी प्रकरण को लेकर बवाल...

पुलिस कप्तान को मौके पर बुलाने पर अड़े ग्रामीण

टीआई सहित तीन पुलिसकर्मियों को ग्रामीणों ने बैठाया, 30 किलो डोडाचूरा को 60 किलो का करने पर ग्रामीणों में आक्रोश

मनासा, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सिंगोली थाना प्रभारी उमेश यादव सहित कई पुलिसकर्मियों को ग्राम चौकडी के ग्रामीणों ने बैठा लिया है और ग्रामीणों ने रास्ते भी खोद दिए है। तीस किलो डोडाचूरा के प्रकरण को साठ किलो का बनाने को लेकर इस मामले ने तूल पकडा है ग्रामीणों ने टीआई का वीडियो भी बनाया है और बताया गया है कि अधिकारियों के कहने पर ऐसा किया। ग्रामीण एसपी अंकित जायसवाल को मौके पर बुलाने पर अड गए है।

सिंगोली टीआई उमेश यादव सहित कुछ पुलिसकर्मी डोडाचूरा के प्रकरण को लेकर ग्राम चौकडी पहुंचे थे, ग्रामीण पहले से आक्रोशित थे ग्रामीणों का कहना है कि 30 किलो डोडाचूरा था उसे पुलिस ने ही 60 किलो का डोडाचूरा का प्रकरण बना कर केस बना दिया। खबर यहां तक है कि टीआई और कुछ पुलिसकर्मियों को ग्रामीणों ने घेर लिया है। सैकडों ग्रामीण एकत्रित हो गए है, चौकडी में पहुंचने वाले रास्ते को खोद दिया है, टीआई ने ग्रामीणों को यह जानकारी दी कि ऐसा वरिष्ठअधिकारियों के कहने पर किया है, तो ग्रामीण एसपी अंकित जायसवाल को मौके पर बुलाने पर अड गए है।

फर्जी एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण की गूंज भोपाल तक पहुंची, सीएम ले सकते है एक्शन–नीमच पुलिस द्वारा फर्जी एनडीपीएस एक्ट की गूंज भोपाल तक पहुंच गई है। सीएम डॉ मोहन यादव इस मामले में एक्शन ले सकते है।

हेड कांस्टेबल उमेश चौहान को भी पकडा था चौकडी वालों ने–पूर्व में प्रधान आरक्षक उमेश चौहान सहित कई पुलिसकर्मियों को पकडा था और तब तत्कालीन एसपी मौके पर गए थे, तभी ग्रामीणों ने इन्हें छोडा था। इस प्रकरण के बाद पुलिस विभाग में सर्जरी भी हुई थी। उस समय भी फर्जी प्रकरण के आरोप लगे थे।

करांटे में स्वर्ण एवं कास्य पदक जीता

नगरी, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने रतलाम में आयोजित हुई करांटे स्पर्धा में स्वर्ण एवं कास्य पदक जीतों प्राचार्य श्रीमती रीता शर्मा ने बताया कि जिला करांटे एसोसिएशन रतलाम द्वारा गत दिनों आयोजित फाइटर करांटे लिग सिजन 2 में नगरी हासे स्कूल के छात्र जयदीप पिता देवेंद्र सिंह ने 57 किग्रा कैटेगरी में स्वर्ण पदक और यशपाल पिता राधेश्याम कुमावत ने 60 किग्रा कैटेगरी में कांस्य पदक प्राप्त किया। विद्यालय के प्राचार्य श्रीमती रीता शर्मा के साथ स्कूल के खेल शिक्षक हेमंत सेन ने सभी स्टाफ शिक्षकों की उपस्थिति में प्रतिभागी छात्रों का सम्मान किया।

आज बोहरा सबिल मोचीवाड़ा पर शिविर लगेगा

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रितेश चावला सीएमओ सुधीर कुमार सिंह राजस्व एवं वित्त समिति सभापति श्रीमती कौशल्या प्रहलाद बंधवार ने बताया कि आज दिनांक 23 जनवरी 2025 गुरूवार को प्रात: 10:30 बजे से 5:00 तक बोहरा सबील मोचीवाडा पर नगर पालिका राजस्व वसूली शिविर लगाया जाएगा इस शिविर में वार्ड क्रमांक 25,27,28 व 29 के नागरिकों के लिए राजस्व जमा करने की सुविधा रहेगी आम नागरिकों से नगर पालिका परिषद आग्रह करती है कि वह दिनांक 23 जनवरी 2025 गुरूवार को प्रात: 10:30 से 5:00 बजे तक बोहरा सबील मोचीवाडा पर आकर अपने बकाया संपत्ति कर समेकित कर शिक्षा उपकर नगरीय विकास उपकर एवं स्वच्छता कर की राशि जमा करावे।

श्रीमती शहजाद बी नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में आमंत्रित

नीमच, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले की मनासा जनपद क्षेत्र के जमालपुरा रामपुरा निवासी आशा कार्यकर्ता श्रीमती शहजाद बी पति श्री असलम बेग को आगामी 26 जनवरी 2025 गणतंत्र दिवस समारोह कर्तव्य पथ नई दिल्ली में आयोजित होने वाली परेड में दर्शक के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

यह जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद ने देते हुए बताया, कि प्रदेश की 50 आशा कार्यकर्ताओं को गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी 2025 को कर्तव्य पथ नई दिल्ली में आयोजित होने वाली परेड को देखने के लिए विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है। वर्ष 2024-25 में अभी तक आशाओं द्वारा संपादित की जाने वाली 07 मुख्य गतिविधियों के प्रदर्शन के आधार पर प्रदेश की 45 ग्रामीण आशाओं व 05 शहरी आशाओं का चयन किया गया है। उक्त समारोह में आशाओं के साथ उनके जीवन साथियों को भी आमंत्रित किया गया है।

सबसे पहले सूर्य भारत में उगता है हमारा धर्म यहीं से शुरू होता है-पं. नागर

सुवासरा, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। चिंतामन गणेश मंदिर श्री गोपाल कृष्ण गौशाला पर आयोजित श्रीमद् भागवत गीता के छठे दिन पंडित नागर ने कथा श्रवण करवाते हुए कहा भारत में इस पीले रंग के लोग भारत बैठे हैं ।सूर्य फिर दूसरे देशों में जाता है हमें अपने देश पर गर्व होना चाहिए हमें यहां का भोजन उपजाऊ खेती पहनावे और भाईचारे पर गर्व है। दूसरे देश आज के युग

में भाई चारे पर भटक रहे हैं आज हमारे लोग बहन बेटियां उन देशों में सुरक्षित नहीं है अपनापन क्या होता है वह नहीं समझते हैं।

उन्होंने एक नेताजी का उदाहरण देते हुए कहा एक होटल में एक नेताजी गए उनके पीछे-पीछे अन्य पुरुष हो हो गए होटल मालिक ने कहा यह सब आपके साथ है क्या तब नेताजी ने कहा हां सब हमारे साथ है। नेताजी ने कहा इन सबको चाय दे दो इतने में अन्य लोग भी नेताजी के साथ हो गए तब होटल मालिक ने पूछा कि चार लोग भी आपके साथ है तब नेताजी ने कहा हां यह भी मेरे साथ है, तब नेताजी का अपनापन झलका पंडित नागर कथा की ओर इशारा करते हुए कहा आप सब इस कथा में आए तो बेकार नहीं जाएगा करीब करीब अपनापन तो आ जाएगा अपनापन क्या होता है समझे वैभव पद प्रतिष्ठा कोई साथ नहीं देता है जुडो अपनापन बावरा कर देगा। जीवन में तीन व्यवस्था होती है बचपन जवानी और बुढापा यह शरीर अवगुणों से भरा है महान उसी का नाम है जो क्षमा करें । मरने से पहले भगवान से मिल लेना । कभी-कभी पुलिस वाले परिवार वाले को सूचना देते हैं कि कल कोर्ट में डायरी पेश होगी। नागर जी ने उदाहरण देते हुए कहा मरने से पहले कभी-कभी कथा में आ जाना नहीं तो यमराज को डायरी पेश करने के बाद कुछ नहीं परिवर्तन नहीं कर सकता हूं आपके कथा पर आने पर यह समय बेकार नहीं जाएगा। सोने के फूल और गुलाब के फूल में अंतर बताते हुए कहा सोने में सुगंध नहीं होती और गुलाब के फूल में सुगंध होती है कथा का श्रवण करते हुए श्रोताओं से भरा पंडाल भजनों से आनंदित हो गया।

श्री राम मंदिर भारतवासियों की आस्था का केन्द्र-चावला

श्री राम नाम लेखन पुस्तिका वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रभु श्रीराम मंदिर के भव्य निर्माण की प्राणप्रतिष्ठा के गौरवपूर्ण एक वर्ष होने पर प्रितेश चावला व नम्रता प्रितेश चावला द्वारा श्री राम नाम लेखन पुस्तिका का वितरण किया गया। जिसका आयोजन तलाई वाले बालाजी मंदिर पर हुआ। सर्वप्रथम कार्यक्रम में भगवान की पूजा अर्चना कर पांच सामूहिक हनुमान चालिसा का पाठ का आयोजन हुआ इसके बाद उपस्थित सभी धर्मालुओं द्वारा महायज्ञ में पूर्ण आहुति दी गई। इसके बाद महाआरती कर पुस्तिका का वितरण हुआ। प्रितेश चावला द्वारा बताया गया कि श्री राम मंदिर भारतवासियों की आस्था का केन्द्र है और 500 वर्षो की लम्बी प्रतीक्षा को समाप्त करते हुए गत वर्ष यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कर पूरे देश में आध्यात्मिक चेतना का पुनर्जागरण किया। इसी को आगे बढ़ाते हुए हमारे द्वारा 11000 श्री राम नाम की 11 हजार पुस्तिका का वितरण किया जा रहा है। पुस्तिका में 11 हजार श्री राम के नामों को लिखकर दिनांक 12 अप्रेल हनुमान जन्मोत्सव तक तलाई वाले बालाजी मंदिर पर ही जमा कराना होगी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री कैलाश चावला, भाजपा जिलाध्यक्ष पं. राजेश दिक्षीत, पं. दशरथ भाईजी, गुरु मॉ अनिता दीदी, पं.शिवकरण प्रधान, नपा उपाध्यक्ष नम्रता प्रितेश चावला, नरेश चंदवानी, विनय दुबेला, डॉ.भानुप्रताप सिंह सिसौदिया, योगेश गाजवा, कमलेश सिसौदिया गोपाल कुमावत, राजेश गुर्जर, कन्हैयालाल सोनगरा, ब्रजेश जोशी, हेमंत शर्मा, पुष्पराज सिंह राणा, संजय पोरवाल, अनील जोशी, किशोर ग्वाला, अंशुल बैरागी, चेतन जोशी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निर्मला गुप्ता, सुषमा आर्य, रमा माथुर, दलपत सिंग डांगी, रमेश चन्द्रे, तपेश चावला, जितेश पंड्या, संजय पारखी, संजय जैन, जगदीश शर्मा, अरविंद नवले मंदसौर नगरपालिका के पार्षदगण सहित बडी संख्या में रामभक्त श्रद्धालु उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस पर शासकीय भवनों पर रौशनी की जायेगी

नीमच, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2025 के अवसर सभी शासकीय भवनों एवं एतिहासिक स्थचलों पर 26 जनवरी 2025 को एक दिन रौशनी की जायेगी। इस संबंध में सामान्यन प्रशासन विभाग द्वारा सभी विभागों को निर्देश जारी किये गये है।

एक शाम शहीदों के नाम 30 को

सुवासरा, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रति वषानुसार इस वर्ष भी राष्ट्रीय सदभावना ग्रुप के तत्वाधान में अपने सफलतम 23 वे वर्ष में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि 30 जनवरी पर एक शाम शहीदों के नाम राष्ट्रीय गीतों पर आधारित रंगारंग कार्यक्रम एवं सद्भावना दौड का आयोजन 30 जनवरी को होगा जिसमे प्रात: 10:00 बजे सदभावना दौड स्थानीय सभा चौक से प्रारंभ होकर सदर बाजार, गणेश चौक, जैन मंदिर के सामने तहसील रोड होती हुई पुन: सभा चौक पर समाप्त होगी।

दौड में प्रथम द्वितीय तृतीय आने वाले प्रतिभागियों को क्रमश: 2100, 1500 और 500 रुपय नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा वही प्रात: 11:00 बजे शहीदों की स्मृति में 2 मिनट का मोन रखकर श्रद्धांजलि दी जावेगी। शाम 7 बजे से शासकीय अशासकीय विद्यालय के छात्र छात्रों व स्वतंत्र प्रतियोगियों द्वारा सास्कृति देशभक्ति से ओतप्रोत रगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जावेगी कार्यक्रम की निर्णायक समिति द्वारा चयन के आधार पर सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम में प्रथम 7100, द्वितीय 6100 तृतीय 5100, चतुर्थ 4100 पंचम 3100, एवं 2100 के तैरह सातवना पुरस्कार से प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा । कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील ग्रुप के संयोजक पारस जैन बादशाह सदस्य - चंद्रप्रकाश गुप्ता, अशोक शर्मा, ओमप्रकाश फरकिया ने की।

जीवन में सबसे कठिन काम सुनना-डा.सोहानी

मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद द्वारा दो दिवसीय परामर्शदाताओं के प्रशिक्षण का शुभारंभ

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के परामर्शदाताओं के दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ मुख्य अतिथि डॉ. आर.के. सोहानी पूर्व प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय मंदसौर ,डॉ. जी एस चुंडावत सीनियर साइंटिस्ट एवं इंचार्ज केवीके, डॉ. क्षितिज पुरोहित ट्रस्टी जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय मंदसौर, डॉ. एन.पी.त्रिपाठी वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक मंदसौर, जिला समन्वयक तृप्ती वैरागी द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र मंदसौर में किया गया।परामर्शदाताओं को प्रशिक्षण देते हुए डॉ.आर.के. सोहानी ने बताया कि जीवन में सबसे कठिन काम सुनना होता है। सुनने के लिए एकाग्रता होना आवश्यक है। जीवन में जो हम सुनना चाहते हैं ,वही हमें सुनाई देता है। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की छात्र-छात्राएं ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत है । जिन्हें प्रयोगशाला के तौर पर एक गांव भी मिला है। उन्हे उसी गांव में वंचित वर्ग के लिए काम करने की आवश्यकता है । गांव में संवाद होना चाहिए, ताकि धरातल पर जिस काम की आवश्यकता है वह काम आसानी से पूर्ण हो सके।

प्रशिक्षण में डॉ. क्षितिज पुरोहित ने कहा कि प्रशिक्षण एक शतक चलने वाली प्रक्रिया है ,जिसमें हर वर्ग को सीखने को मिलता है । हमें वंचित वर्ग के साथ ही महिलाओं के लिये भी काम करने की आवश्यकता है। जिसमें जन्म मृत्यु दर को कम किया जा सके। बाल विवाह को रोका जा सके। पर्यावरण हेतु भी हमें काम करने आवश्यकता है। प्रशिक्षण के तृतीय सत्र में श्रीमती सुष्मिता दास ने बताया की नई शिक्षा नीति 2000 अंतर्गत सतत विकास को जोडा गया है। जिसका लक्ष्य 2030 तक में पूर्ण करना है। बच्चों के समग्र विकास को लेकर विशेष कर स्कील डेवलपमेंट को लेकर शिक्षा नीति में विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसके साथ ही वर्तमान मे योग को भी इसमें सम्मिलित किया गया है। हमें निरंतर इस क्षेत्र में बच्चों को जागरूक करने की आवश्यकता है। शिक्षा विभाग ने परख के अंतर्गत भी बच्चो के हुनर को परखा जा रहा है। इस अवसर पर सुदीप दास प्राचार्य हाई सेकेंडरी स्कूल बेलागंज ने कहा कि समग्र विकास का जो लक्ष्य शासन ने 2030 तक लिया है उस पर हमें बेहतर काम करने की आवश्यकता है। 17 लक्ष्य में निर्धारित किए गए हैं। 17 लक्ष्य को हमें और आशान करना होगा। निरंतर संवाद ,सहयोग सहभागिता, ओर सामंजस्य से ही समाज मे मजबुती आएगी । जल, जमीन ,जंगल ,जानवर ओर जन को बचाने के लिए सामुहिक प्रयास आवश्यक है। प्रशिक्षण की अंतिम सत्र में जिला समन्वय तृप्ती वैरागी, विकासखंड समन्वयक नारायणसिंह निनामा एवं श्रीमती अर्चना भट्ट द्वारा परामर्शदाताओं की जिज्ञासाओं के बारे में जाना और उनकी समस्याओं का समाधान किया। सफल संचालन विकासखंड समन्वयक अर्चना भट्ट ने किया । अंत मे आभार विकासखंड समन्वयक नारायणसिंह निनामा ने माना। इस अवसर पर जिले के 25 परामर्शदाता उपस्थित थे। इस अवसर पर अर्चना रामावत, दशरथ नायक, राजू प्रजापत विशेष उपस्थित थे। यह जानकारी परामर्शदाता हरिओम गंधर्व ने दी।

* अंतिम यात्रा *

शिवनारायण सक्सेना के सुपुत्र एवं कृष्णकांत श्रीवास्तव (गुड्डा) पत्रकार के जीजाजी एवं मोहित गौड के मौसाजी श्रीमती संध्या देवी सक्सेना (शिक्षिका) के पति श्री मुकेश सक्सेना का निधन दिनांक 22 जनवरी 2025 को हो गया है जिनकी अंतिम यात्रा दिनांक 23 जनवरी 2025 को प्रात: 9 बजे उनके निवास स्थान किटीयानी स्थित उनके मकान एल- सेकेंड /287 टंकी पास मंदसौर से निकलेगी।

***** शोकाकुल *****
सक्सेना परिवार

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर
त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन
डॉ. परीक्षित शर्मा
एम.डी. (स्कीन)
शनिवार दिनांक 25 जनवरी को शाम 5 से रात 8 और
रविवार 26 जनवरी को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।
सुविधाएं-* चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, * एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, * शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, * गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, * असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, * शरी पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, * लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, * बच्चों व बुजुर्गो की त्वचा संबंधित समस्याएं, * नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, * सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)
करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे,
स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in